# Baba’s Praise

22/4/2015

- ऊंच ते ऊंच बाप आकर कहते हैं मुझ बाप को याद करो तो विकर्म विनाश होंगे।

- अभी तुम समझते हो शिवबाबा ही स्वदर्शन चक्रधारी है, ज्ञान का सागर है। वह जानते हैं हम कैसे इस 84 के चक्र में आते हैं। खुद तो पुनर्जन्म लेते नहीं।

- पावन बनाते हैं क्योंकि पतित-पावन वह है। रचता भी वह है।

- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा स्थापना कराते हैं। करनकरावनहार है ना।